भारत सरकार

गृह मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 149

दिनांक 02.02.2021/13 माघ,1942 (शक) को उत्तर के लिए

युद्धविराम का उल्लंघन और आतंकवादी हमले

†149. श्री भर्तृहरि महताबः
श्री राहुल रमेश शेवालेः
श्री ओम पवन राजेनिंबालकरः

क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या विगत तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष और चालू वर्ष के दौरान देश में पाकिस्तान द्वारा युद्धविराम-उल्लंघन की घटनाओं और आतंकी हमलों में वृद्धि हुई है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;
(ग) उक्त उल्लंघन/हमलों में कितने नागरिक और भारतीय सुरक्षा बलों के रक्षाकर्मी मारे गए/घायल हुए हैं और उक्त अवधि के दौरान मुठभेड़ में राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार कितने आतंकवादी मारे गए हैं;
(घ) उक्त अवधी के दौरान उक्त उल्लंघन/हमलों को रोकने के लिए भारत और पाकिस्तान के बीच कितनी द्विपक्षीय वार्ताएं हुई है और उक्त वार्ताओं के क्या परिणाम रहे हैं;
(ङ) उक्त हमलों के कारण राजकोष को हुए नुकसान का पता लगाने के लिए किए गए आंकलन का ब्यौरा क्या है; और
(च) उक्त घटनाओं को रोकने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान का विभिन्न आतंकवादी संगठनों से जुड़े होने का खुलासा करने के लिए सरकार द्वारा अन्य क्या कदम उठाए गए/उठाए जा रहे हैं और इस संबंध में क्या उपलब्धियों प्राप्त की गई हैं?

उत्तर

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जी किशन रेड्डी)

(क) से (ग): जम्मू और कश्मीर पिछले तीन दशकों से सीमा पार से प्रायोजित और समर्थित आतंकवाद से प्रभावित है। पाकिस्तान द्वारा युद्धविराम का उल्लंघन किए जाने की सूचना

केवल जम्मू और कश्मीर में अंतर्राष्ट्रीय सीमा/एलओसी से प्राप्त होती है। सरकार ने आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपना रखी है। युद्धविराम के उल्लंघनों/सीमा पार से गोलीबारी के मामलों में सुरक्षा बलों द्वारा तत्काल और प्रभावकारी जवाबी कार्रवाई की जाती है। सरकार द्वारा किए गए अनेक एहतियाती उपायों के फलस्वरूप पिछले तीन वर्षों में आतंकवादी हमलों में काफी कमी आई है।

पिछले तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष के दौरान जम्मू और कश्मीर में जवाबी हमलों में मारे गए आतंकवादियों की संख्या के साथ-साथ युद्धविराम के उल्लंघनों तथा आतंकवादी हमलों की घटनाओं, युद्धविराम के उल्लंघनों और आतंकवादी हमलों में मारे गए/घायल हुए नागरिकों और सुरक्षा बल कार्मिकों का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

घटना का प्रकार		**2018**	**2019**	**2020**
युद्धविराम का उल्लंघन	घटनाएं	**2140**	**3479**	**5133**
	मारे गए नागरिक	**30**	**18**	**22**
	घायल हुए नागरिक	**143**	**127**	**71**
	शहीद हुए सुरक्षा कार्मिक	**29**	**19**	**24**
	घायल हुए सुरक्षा कार्मिक	**116**	**122**	**126**
आतंकवादी हमले	घटनाएं	**614**	**594**	**244**
	मारे गए नागरिक	**39**	**39**	**37**
	घायल हुए नागरिक	**63**	**188**	**112**
	शहीद हुए सुरक्षा कार्मिक	**91**	**80**	**62**
	घायल हुए सुरक्षा कार्मिक	**238**	**140**	**106**
	मारे गए आतंकवादी	**257**	**157**	**221**

(घ): सीमा सुरक्षा बल और पाकिस्तान रेंजर्स की पिछली महानिदेशक स्तरीय बैठक 08-10 नवम्बर, 2017 को नई दिल्ली में हुई थी। इस बैठक के दौरान, सीमा पार से गोलीबारी के मुद्दे पर चर्चा की गई थी, जिसमें दोनों पक्षों द्वारा यह सुनिश्चित करने के लिए सहमति व्यक्त की गई थी कि इस प्रकार की कोई गोलीबारी नहीं होगी। किसी भी गोलीबारी के मामले में, दूसरा पक्ष अधिकतम संयम बरतेगा और गोलीबारी में वृद्धि को रोकने के लिए संचार के सभी उपलब्ध साधनों के माध्यम से तत्काल संपर्क स्थापित किया जाएगा। विभिन्न स्तर के कमांडरों के बीच, आवश्यकता के आधार पर, वहीं पर फ्लैग बैठकें भी आयोजित की जाती हैं।

<u>लोक सभा अता. प्र. सं. 149</u>

(ङ): ऐसा कोई आकलन नहीं किया जाता है। तथापि, ऐसे हमलों से हुए नुकसान के लिए नागरिकों, सुरक्षा बल कार्मिकों आदि को मुआवजा प्रदान किया जाता है।

(च): सरकार सीमा पार से आतंकवाद के मुद्दे को द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर लगातार उठाती रही है और इसने आतंकवाद के खतरे से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग पर अधिक बल दिया है। आतंकवादी गतिविधियों को रोकने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कुछ कदम निम्नानुसार हैं:

i. <u>काइनेटिक ऑपरेशनः</u> आतंकवादियों और उनके रणनीतिक समर्थकों की सक्रिय रूप से पहचान करना, घेराबंदी और तलाशी जैसे ऑपरेशनों के माध्यम से उनकी तलाश करना, गिरफ्तारी के दौरान उनके द्वारा हिंसा किए जाने पर उचित जवाब देना।

ii. <u>रोकथाम संबंधी ऑपरेशन:</u> आतंकवाद के रणनीतिक समर्थकों की सक्रिय रूप से पहचान करना और उनके छद्म आवरण को हटाने तथा वित्तपोषण, भर्ती आदि जैसे आतंकवाद में सहायता पहुंचाने और इसके लिए उकसाने वाले उनके तंत्रों को उजागर करने आदि के लिए जांच शुरू करना।

iii. घुसपैठ के सभी संभावित मार्गों पर रात की गश्त बढ़ा दी गई है और नाके लगा दिए गए हैं। सीमावर्ती क्षेत्रों से आने वाले वाहनों की पूरी तरह से जांच की जा रही है।

iv. समन्वय बैठकें नियमित रूप से आयोजित की जा रही हैं और इस क्षेत्र में तैनात सभी बलों द्वारा अत्यधिक सतर्कता बरती जा रही है।

v. जम्मू और कश्मीर में तैनात सभी सुरक्षा बलों के बीच वास्तविक समय के आधार पर आसूचना संबंधी जानकारियों को साझा करना।

इसके अतिरिक्त, विभिन्न आतंकवादी गुटों के साथ पाकिस्तान के संबंध को अंतरराष्ट्रीय मंच पर उजागर करने के लिए, भारत सरकार आतंकवादी हमलों की जांच के दौरान एकत्रित किए गए विभिन्न साक्ष्यों का भी प्रयोग कर रही है ताकि उसे द्विपक्षीय और बहुपक्षीय बात-चीत में शामिल किया जा सके।

******